

प्रेषक,

ओम प्रकाश  
राचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पंचायतीराज  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पंचायतीराज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा अनुभाग-1 देहरादून दिनांक 31 जुलाई,

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए विभिन्न बचनबद्ध मदों में प्राविधानित धन की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 31 जुलाई, 2009 एवं शासनादेश संख्या 517/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 शासनादेश संख्या 215-1/XII/2009/82(04)/2009 दिनांक 06-04-2009 के अनुसार मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के आयोजन पक्ष की बचनबद्ध मदों यथा- सैन्य, मंहगाई भत्ता, अन्य भत्ते, मजदूरी, विद्युत देय, जा किराया, पेंशन, औषधि, गोजन व्यय, पेट्रोल, टेलीफोन आदि आवश्यक मदों हेतु संलग्न उल्लिखित विभिन्न बचनबद्ध की मानक मदों में (1 अप्रैल 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक) लिए लेखानुदान की धनराशि को सम्मिलित करते हुए प्राविधानित धनराशि कमशः रु० एवं रु० 1253 हजार, इस प्रकार कुल रु० 7837 हजार (रु० अठ्तर लाख सैतीस हजार की धनराशि) आपके निर्वतन पर रखते हुए नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज महोदय निम्न शर्तों/प्रतिश्रुतियों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उपरोक्तानुसार निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि में 1 अप्रैल 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लिए लेखानुदान की धनराशि भी सम्मिलित है, जो पूर्व में शासनादेश सं 215-1/XII/2009/82(04)/2009 दिनांक 06-04-2009 द्वारा आपके निर्वतन रखी गयी है। अतः पूर्व में शासनादेश संख्या 215-1/XII/2009/82(04)/2009 दिनांक 06-04-2009 द्वारा आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि को समाया करते हुए अवशेष की जा रही धनराशि की सीमा तक ही व्यय किया जाय। अतः की जा रही धनराशि से अधिक आहरण के लिए संबंधित आहरण वितरण अधिक पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
2. निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि की फॉट निदेशक, पंचायतीराज द्वारा अचलम्ब धनराशि सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नियमानुसार व्यय रखा जाना सुनिश्चित करेंगे।
3. आयोजनेत्तर पक्ष की अन्य मदों/शीर्षकों के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत व एवं निर्वतन पर रखने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।
4. यदि किसी योजना/शीर्षक एवं मद में आय-व्ययक 2009-10 में बजट प्राविधानित लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि से कम हो तो आय-व्ययक प्राविधान की सीमा तक ही व्यय की जाय।

5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियम, उत्तराखण्ड प्रॉक्चोरमेंट रूल्स 2008 तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
  6. वित्तीय स्वीकृतियों के समय व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि मामलों में सीमाधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे वित्त विभाग के राज्ञान में लाया जाय। वी०एम० 13 पर नियमित रूप से सूचना प्रत्येक माह की 05 तारीख तक उपलब्ध करायी जाय।
  7. जो विल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान राशियाँ का उल्लेख अवश्य किया जाय। बजट नियंत्रक अधिकारी वी०एम०-17 पर आवंटन संबंधी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण-वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा वित्त अधिकारी का नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में परित्यालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियाँ पूर्व निर्धारित शासनादेशों के क्रम में जारी करेंगे। अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा। जिसके लिए संबंधित उत्तरदायी होंगे।
  8. विभाग में स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय और प्रत्येक माह की स्वीकृति/ व्यय संबंधी सूचना अद्यतन करते हुए तत्संबंधी आख्या निर्धारित प्रपत्रों पर शासनादेशों की प्रतियाँ सहित वित्त एवं नियोजन विभाग के साथ प्रशासकीय विभाग का उपलब्ध करायेगे।
  9. प्रत्येक माह विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण- वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अत्युक्त धनराशियों का विवरण निर्धारित प्रपत्र वी०एम०-17 पर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
  10. विभाग में जहाँ केन्द्रीयित क्रय प्रक्रिया लागू है, या दर अनुबन्ध किये जाते हैं, वित्तीय कार्य के प्रारम्भ होते ही एक प्रोक्चोरमेंट प्लान बना लेंगे। इसी प्रकार पूंजीगत कार्यों पर भी एक एवरान प्लान तैयार कर प्रशासकीय विभाग के माध्यम से वित्त/ नियोजन विभाग को उपलब्ध करायेगे।
  11. निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/ पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विरजित आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
  12. निर्माण कार्य हेतु पूरे वर्ष की फेजिंग करते हुए लक्ष्य के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण किया जाय।
  13. वित्तव्ययिता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
  14. निर्माण पर रखी जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2010 तक करते हुए अप्रयुक्त अवशेष धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 2- इस संबंध होने वाला व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अधीन संलग्न में उल्लिखित लेखाशीर्षकों के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष की बचनायुक्त मदों के अन्तर्गत किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 515/XXVII (1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।  
संलग्नक यद्योपरि

भवदीय,

(आम प्रकाश)

सचिव

संख्या: 82(04)09तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रशासन) कार्यालय महालेखाकार, केनल पैलेस, सी-1, 105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (ए एण्ड ई), आचराम गौडसो बिल्डिंग, साहयनपुर, सीड, मान्दरा, देहरादून।
- 3- रागरत जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- रागरत जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- निदेशक भवनागर एवं वित्त लेखा, उत्तराखण्ड।
- 6- एनओओसीड रातिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- वित्त अनुमान-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- माई फाईल

आज्ञा से,

(आरपीओ/मुलाशिया)

संयुक्त सचिव



शासनादेश संख्या/४५/XII/2009/82(04)/2009 दिनांक 31 जुलाई, 2009 का संलग्नक

तालिका-1

अनुमान संख्या-19 नया शीप-2515-अन्य प्राय विभिन्न अवयवों का अनुमान 000 (निर्देशन 1999)  
प्रशासन-04-प्रशासकीय निदेशालय अभिप्राय

क्र.सं.	विवरण	आवश्यक अनुमान वर्ष 2009-10 आयोजनोत्तर (धनराशि हजार रुपये में)
01	01-आवक	
02	02-नहराई भूतल	4128
03	04-आवक	8532
04	05-अनुमानित आर्थिक व्यय	29
05	06-आवक	20
06	07-आवक	854
07	08-अनुमानित व्यय	
08	09-विवरण	250
09	10-अनुमानित व्यय	30
10	11-विवरण सामग्री और सामान की खरीद	10
11	12-अनुमानित फर्निचर एवं उपकरण	50
12	13-टेलीफोन पर व्यय	190
13	14-वाहनों का अनुमान एवं पहलू आदि की खरीद	110
14	15-विवरण आर्थिक व्यय	350
	42-अन्य व्यय	50
15	44-प्रशिक्षण व्यय	10
16	45-अनुमानित व्यय	
17	46-अनुमानित व्यय	
	47-अनुमानित व्यय	50
	योग:-	6584

(रुपये पैसों तथा सैरों के हिसाब में)

अनुदान संख्या-19 तालिका संख्या-2515 अन्तर्गत राज्य विकास कार्यक्रम आयोक्त-संवत् 2009-10 वर्ष के लिए अनुदान का विवरण

तालिका-11

क्र.सं.	विवरण	आय-व्यय अनुमान वर्ष 2009-10 आयोक्त-संवत् (धनराशि हजार रुपये में)
01	01 वेतन	750
02	02 मजदूरी	100
03	03 भत्ताएं भत्ता	100
04	04 अन्य भत्ता	25
05	06 कोषोत्तर व्यय	25
08	11 लेखन सामग्री और कार्य की छपाई	10
09	12 कार्यालय फनीयर एवं उपकरण	10
10	13 परीक्षण पर व्यय	25
11	14 कार्यालय का प्रभुत्व एवं फर्निचर आदि की खरीद	25
16	47 सम्पूर्ण अनुदान (अनुदान संख्या 2515) का योग	1253
	योग-	1253

(रुपये बारह लाख पचास हजार मात्र)

(आरोपी/प्रमुख/सचिव)  
संयुक्त सचिव